दैनिक जागरण 24/06/2026

सीएसए में रस्साकसी मुकाबलों में दिखाया दम

सीएस में रस्साकसी प्रतियोगिता में दमखम दिखाती छात्राएं ● सीएसए

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के 28वें दीक्षांत समारोह से पूर्व आयोजित दीक्षोत्सव कार्यक्रमों की शृखला में मंगलवार को रस्साकसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और दमखम के साथ खेल भावना का परिचय दिया।

विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित मुकाबलों के दौरान टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। कार्यक्रम का आयोजन गेम काउंसलर डा. रामजी गुप्ता तथा डा. राजीव कुमार के नेतृत्व में किया गया। प्रतियोगिता में निर्णायक के तौर पर डा. राजीव कुमार, डा. देवेंद्र और डा. शिवानी रहें।

रहस्य संदेश

पृष्ठ : 4 मूल्य : 2.00 रुपये मात्र
एटा कासगंज अलीगढ़ लखनऊ गाजि
24 : 06 : 2026 | वर्ष 20 अंक 164 | RNI-No. UP

सीएसए में दीक्षोत्सव के अंतर्गत रस्साकसी प्रतियोगिता का हुआ सफल आयोजन

कानपुर (अनवर अशरफ) चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर में आगामी दीक्षान्त समारोह के आयोजन से पूर्व चल रहे दीक्षोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज उत्साहपूर्ण वातावरण में रस्साकसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा खेल भावना, अनुशासन एवं टीम वर्क का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन गेम काउंसलर डॉ. रामजी गुप्ता, प्राध्यापक, पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग, एवं डॉ. राजीव कुमार के नेतृत्व में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के सफल संचालन एवं व्यवस्थापन में डॉ. सिद्धार्थ सिंह, डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी, डॉ. शक्ति सिंह, डॉ. जया वर्मा तथा डॉ. प्रज्ञा मिश्रा का विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन रहा।प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. राजीव कुमार, डॉ. देवेंद्र तथा डॉ. शिवानी चौधरी द्वारा निष्पक्ष रूप से किया गया। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन, समन्वय एवं खेल भावना का अवलोकन कर विजेताओं का चयन किया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन ने विद्यार्थियों में टीम भावना, नेतृत्व क्षमता तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित किया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी आयोजकों, निर्णायकों एवं प्रतिभागियों को बधाई दी तथा दीक्षोत्सव के आगामी कार्यक्रमों के लिए शुभकामनाएँ प्रदान कीं।

सीएसए में रस्साकसी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

प्रतियोगिता में दम दिखाते खिलाड़ी।

कानपुर, 23 जून। सीएसए में दीक्षोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज उत्साहपूर्ण वातावरण में रस्साकसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा खेल भावना, अनुशासन एवं टीम वर्क का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का आयोजन गेम काउंसलर डॉ. रामजी गुप्ता, प्राध्यापक, पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग, एवं डॉ. राजीव कुमार के नेतृत्व में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के सफल संचालन एवं व्यवस्थापन में डॉ. सिद्धार्थ सिंह, डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी, डॉ. शक्ति सिंह, डॉ. जया वर्मा तथा डॉ. प्रज्ञा मिश्रा का विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन रहा।प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. राजीव कुमार, डॉ. देवेंद्र तथा डॉ. शिवानी चौधरी द्वारा निष्पक्ष रूप से किया गया। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन, समन्वय एवं खेल भावना का अवलोकन कर विजेताओं का चयन किया।

सीएसए ने आंगनबाड़ी केंद्रों पर किये कार्यक्रम।

डॉ कृष्ण मोहन त्रिपाठी

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सामुदायिक महाविद्यालय की परिधान एवं वस्त्र विज्ञान विभाग तथा पारिवारिक संसाधन एवं प्रबंधन विभाग द्वारा राज्यपाल महोदया के दिशानिर्देशों के अनुपालन में आंगनवाड़ी केन्द्र में बच्चों के समय पर प्रवेश, नियमित उपस्थिति तथा प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा सेवाओं की स्थिति का आकलन करने हेतु एक निरीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों की समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करना, केन्द्रों की कार्यप्रणाली का अवलोकन करना तथा बच्चों के समग्र विकास से संबंधित सेवाओं की गुणवत्ता का मूल्यांकन करना था। इस अवसर पर डॉ. एकता शर्मा, प्राध्यापक, डॉ.रश्मि सिंह , और डॉ. अर्चना सिंह द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं अभिभावकों के साथ संवाद स्थापित कर बच्चों की शिक्षा, पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया।कार्यक्रम में डॉ. एकता शर्मा, प्राध्यापक, डॉ. अर्चना सिंह, प्रभारी, परिधान एवं वस्त्र विज्ञान विभाग, डॉ. रश्मि सिंह, प्रभारी, पारिवारिक संसाधन एवं प्रबंधन विभाग तथा आंगनवाड़ी केन्द्र की कार्यकर्त्री शोभा रानी, सुनीता देवी एवं मनोरमा ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान सभी बच्चों को मिठाई वितरित की गई तथा बच्चों के पोषण संबंधी आवश्यकताओं एवं संतुलित आहार के महत्व पर चर्चा की गई। साथ ही, विभिन्न पोषण मूल्यांकन उपकरणों की सहायता से बच्चों के पोषण स्तर का आकलन किया गया। इन उपकरणों के उपयोग एवं उनके महत्व का प्रदर्शन अभिभावकों को भी किया गया, जिससे वे अपने बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण की नियमित निगरानी के प्रति जागरूक हो सकें।कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा उपस्थित अभिभावकों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने इस प्रकार के जागरूकता एवं मूल्यांकन कार्यक्रम की सराहना की तथा शोभा रानी के द्वारा डॉ. एकता शर्मा, प्राध्यापक, डॉ. अर्चना सिंह, और डॉ. रश्मि सिंह, को धन्यवाद भी दिया गया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 17 अंक : 348 कानपुर, बुधवार 24 जून 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

दीक्षोत्सव के अंतर्गत रस्साकसी हुई प्रतियोगिता

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में आगामी दीक्षान्त समारोह के आयोजन से पूर्व चल रहे दीक्षोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज उत्साहपूर्ण वातावरण में रस्साकसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा खेल भावना, अनुशासन एवं टीम वर्क का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का आयोजन गेम काउंसलर डॉ. रामजी गुप्ता, प्राध्यापक,

पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग, एवं डॉ. राजीव कुमार के नेतृत्व में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के सफल संचालन एवं व्यवस्थापन में डॉ. सिद्धार्थ सिंह, डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी, डॉ. शक्ति सिंह, डॉ. जया वर्मा तथा डॉ. प्रज्ञा मिश्रा का विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन रहा।प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. राजीव कुमार, डॉ. देवेंद्र तथा डॉ. शिवानी चौधरी द्वारा निष्पक्ष रूप से किया गया। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन, समन्वय एवं खेल भावना का अवलोकन कर विजेताओं का चयन किया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन ने विद्यार्थियों में टीम भावना, नेतृत्व क्षमता तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित किया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी आयोजकों, निर्णायकों एवं प्रतिभागियों को बधाई दी तथा दीक्षोत्सव के आगामी कार्यक्रमों के लिए शुभकामनाएँ प्रदान कीं।

डाक पंजीयन. सं.-केपी.सिटी-137/2026 -28

दैनिक
तस्वीर आजकल

कानपुर
बुधवार 24 जून 2026
वर्ष-19 अंक- 224
पृष्ठ-10 मूल्य 1:00

सी एस ए ने आंगनबाड़ी केंद्रों पर किये कार्यक्रम

तस्वीर आजकल ब्यूरो

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के सामुदायिक महाविद्यालय की परिधान एवं वस्त्र विज्ञान विभाग तथा पारिवारिक संसाधन एवं प्रबंधन विभाग द्वारा राज्यपाल के निर्देशों के अनुपालन में आंगनवाड़ी केन्द्र में बच्चों के समय पर प्रवेश, नियमित उपस्थिति तथा प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा सेवाओं की स्थिति का आकलन करने हेतु एक निरीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों की समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करना, केन्द्रों की कार्यप्रणाली का अवलोकन करना तथा बच्चों के समग्र विकास से संबंधित सेवाओं की गुणवत्ता का मूल्यांकन करना था। इस अवसर पर डॉ. एकता शर्मा, प्राध्यापक, डॉ.रश्मि सिंह और डॉ. अर्चना सिंह द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं अभिभावकों के साथ संवाद स्थापित कर बच्चों की शिक्षा, पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. एकता शर्मा, प्राध्यापक, डॉ. अर्चना सिंह, प्रभारी परिधान एवं वस्त्र विज्ञान विभाग, डॉ. रश्मि सिंह, प्रभारी पारिवारिक संसाधन एवं प्रबंधन विभाग तथा आंगनवाड़ी केन्द्र की कार्यकत्री शोभा रानी, सुनीता देवी एवं मनोरमा ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान सभी बच्चों को मिठाई वितरित की गई तथा बच्चों के पोषण संबंधी आवश्यकताओं एवं संतुलित आहार के महत्व पर चर्चा की गई। साथ ही विभिन्न पोषण मूल्यांकन उपकरणों की सहायता से बच्चों के पोषण स्तर का आकलन किया गया। इन उपकरणों के उपयोग एवं उनके महत्व का प्रदर्शन अभिभावकों को भी किया गया, जिससे वे अपने बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण की नियमित निगरानी के प्रति जागरूक हो सकें। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा उपस्थित अभिभावकों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने इस प्रकार के जागरूकता एवं मूल्यांकन कार्यक्रम की सराहना की तथा शोभा रानी के द्वारा डॉ. एकता शर्मा प्राध्यापक, डॉ. अर्चना सिंह, और डॉ. रश्मि सिंह, को धन्यवाद भी दिया गया।

की

वाल

कानपुर के
श पुलिस से
र न्यायमूर्ति
खिल बंदी
को किदवई
था। आरोप है
055499
कि अर्जुन
खोलने के
कर्ज था।
मनीष कुमार
ख का चेक
में दिया था।
का कहना था
दोपहर 1.04
है कि अर्जुन
में ले लिया
कहीं जा रहे
रात 11.47
कि गिरफ्तारी
हीं है। मेमो में
न उनके और
गया। सरकारी
गया। अदालत
कनामा दाखिल
0000 के
र के सीजेएम
आदेश दिया।

सीएसए ने आंगनबाड़ी केंद्रों पर किये कार्यक्रम

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 23 जून। सीएसए के सामुदायिक महाविद्यालय की परिधान एवं वस्त्र विज्ञान विभाग तथा पारिवारिक संसाधन एवं प्रबंधन विभाग की ओर से आंगनवाड़ी केन्द्र में बच्चों के समय पर प्रवेश, नियमित उपस्थिति तथा प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा सेवाओं की स्थिति का आकलन करने के लिए एक निरीक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों की समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करना, केन्द्रों की कार्यप्रणाली का अवलोकन करना तथा बच्चों केसमग्र विकास से संबंधित सेवाओं की गुणवत्ता का मूल्यांकन करना था। डॉ. एकता शर्मा, डॉ.रश्मि सिंह और डॉ. अर्चना सिंह ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं अभिभावकों के साथ संवाद स्थापित कर बच्चों की शिक्षा, पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता को बढ़ावा देने का प्रयास किया। आंगनवाड़ी केन्द्र की कार्यकत्री शोभा रानी, सुनीता देवी एवं मनोरमा ने विशेष सहयोग प्रदान किया। सभी बच्चों को मिठाई वितरित की गई तथा बच्चों के पोषण संबंधी आवश्यकताओं एवं संतुलित आहार केमहत्व पर चर्चा की गई।

एचबीटी

बीते तीन स

2026
4739 वि

कानपुर, 23 जून
में नये एकेडमिक
सीट की तुलना
रजिस्ट्रेशन फीस
है। 24 जून को
ऑन लाइन जारी
करीब 14 ब्रांच
जिसमें कि कम्प्यू

रहस्य संदेश

पृष्ठ : 4 मूल्य : 2.00 रुपये मात्र | एटा कासगंज अलीगढ़ लखनऊ गाजि

24 : 06 : 2026 | वर्ष 20 अंक 164 | RNI-No. UP

किण्वित जैविक खाद के प्रयोग हेतु किया जागरूक

कानपुर (अनवर अशरफ) चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा (एफओएम) किण्वित जैविक खाद योजना अंतर्गत किण्वित जैविक खाद के प्रयोग हेतु किसानों को मिट्टी की उर्वरता और फसल की गुणवत्ता सुधारने के लिए विकासखंड मैथा के गांव गणेशपुर में जागरूक किया। मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि यह खाद बायोगैस संयंत्रों से प्राप्त उपोत्पाद है। जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों की मात्रा बढ़ाता है। उन्होंने बताया कि इस जैविक खाद के प्रयोग से मिट्टी का स्वास्थ्य सुधरता है और उसकी जल धारण क्षमता बढ़ती है।कृषकों को अंधाधुंध यूरिया और डीएपी के उपयोग को कम करने और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता है। डॉ खलील खान ने बताया कि इसके नियमित उपयोग से फसल उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ती है।जिससे किसानों को बाज़ार में उनकी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त होता है। यह खाद रसायनों से मुक्त होती है, जिससे भूमि का प्रदूषण रुकता है और उपभोक्ताओं का स्वास्थ्य बेहतर रहता है। पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने किसान भाइयों को पशु प्रबंधन तथा दुग्ध उत्पादन विषय पर भी जानकारी दी,उन्होंने किसानों को खेतों में गोबर की सड़ी हुई खाद प्रयोग पर बल दिया।इस कार्यक्रम में गांव के अमर सिंह, रमेश चंद्र, पुष्पेंद्र कुमार, अमरेश कुमार एवं राम स्वरूप सहित साठ से अधिक किसान उपस्थित रहे।

डॉ

संवाद

अलीगढ़।
डॉक्टरों ने
के 58-वर्षी
जबड़े का
चुनौतीपूर्ण
संरचना के
महत्वपूर्ण
किया गया।
नोएडा, के
डायरेक्टर ए
उनकी टीम
से ही टाइप
से पीड़ित
यानी जीभ
सेल कार्सि
में प्रारंभिक
लिए मैक्स
गया। मैक्स
जांच के
सेंटीमीटर
दबाव बना

DT दीनार टाइम्स

किण्वित जैविक खाद से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने पर किसानों को किया जागरूक

संवाददाता/ डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा किण्वित जैविक खाद योजना के अंतर्गत विकासखंड मैथा के ग्राम गणेशपुर में किसानों को किण्वित जैविक खाद के उपयोग के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और फसलों की गुणवत्ता में सुधार लाना रहा। मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने किसानों को बताया कि यह खाद बायोगैस संयंत्रों से प्राप्त उपोत्पाद है, जो बिना पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों की मात्रा बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि इसके प्रयोग से मिट्टी का स्वास्थ्य बेहतर होता है और जल धारण क्षमता भी बढ़ती है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे यूरिया और डीएपी जैसे रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग को कम कर प्राकृतिक खेती की ओर कदम बढ़ाएं। डॉ. खलील खान ने बताया कि इस खाद के नियमित उपयोग से फसल उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार होता है, जिससे किसानों को बाजार में बेहतर मूल्य प्राप्त होता है। पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत ने किसानों को पशु प्रबंधन और दुग्ध उत्पादन की जानकारी देते हुए खेतों में सड़ी हुई गोबर की खाद के प्रयोग पर जोर दिया। कार्यक्रम में अमर सिंह, रमेश चंद्र, पुष्पेंद्र कुमार, अमरेश कुमार और राम स्वरूप सहित करीब साठ से अधिक किसान मौजूद रहे।

मैथा के गणेशपुर गांव में कृषि विज्ञान केंद्र ने चलाया जागरूकता अभियान

किण्वित जैविक खाद के प्रयोग को लेकर किसानों को किया गया जागरूक

मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने पर जोर

कानपुर (वर्ल्ड खबर एक्सप्रेस)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा (एफओएम) किण्वित जैविक खाद योजना के तहत किसानों को जागरूक करने के लिए विकासखंड मैथा के गांव गणेशपुर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने किसानों को किण्वित जैविक खाद के उपयोग के लाभों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह खाद बायोगैस संयंत्रों से प्राप्त एक उपोत्पाद है, जो बिना पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों की मात्रा को बढ़ाता है। इसके नियमित उपयोग से मिट्टी की उर्वरता में सुधार होता है और उसकी जल धारण क्षमता भी बढ़ती है। डॉ. खलील खान ने कहा कि इस जैविक खाद के प्रयोग से न केवल मिट्टी का स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि फसलों की गुणवत्ता में भी सुधार आता है, जिससे किसानों को बाजार में उनकी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त हो सकता है। उन्होंने किसानों को अंधाधुंध रासायनिक उर्वरकों जैसे यूरिया और डीएपी के उपयोग को कम करने और धीरे-धीरे प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी बताया कि यह खाद रसायन मुक्त होती है, जिससे भूमि प्रदूषण कम होता है और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कार्यक्रम में पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत ने भी किसानों को पशु प्रबंधन एवं दुग्ध उत्पादन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने खेतों में गोबर की सड़ी हुई खाद के उपयोग पर विशेष बल दिया। इस अवसर पर गांव के अमर सिंह, रमेश चंद्र, पुष्पेंद्र कुमार, अमरेश कुमार एवं राम स्वरूप सहित 60 से अधिक किसान उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी की और जानकारी प्राप्त की।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 17 अंक : 348 कानपुर, बुधवार 24 जून 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

किसानों को किण्वित जैविक खाद के प्रयोग हेतु किया जागरूक

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा (एफओएम) किण्वित जैविक खाद योजना अंतर्गत किण्वित जैविक खाद के प्रयोग हेतु किसानों को मिट्टी की उर्वरता और फसल की गुणवत्ता सुधारने के लिए विकासखंड मैथा के गांव गणेशपुर में जागरूक किया। मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि यह खाद बायोगैस संयंत्रों से प्राप्त उपोत्पाद है। जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों की मात्रा बढ़ाता है। उन्होंने बताया कि इस जैविक खाद के प्रयोग से मिट्टी का स्वास्थ्य सुधरता है और उसकी जल धारण क्षमता बढ़ती है।कृषकों को अंधाधुंध यूरिया और डीएपी के उपयोग को कम करने और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता है। डॉ खलील खान ने बताया कि इसके नियमित उपयोग से फसल उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ती है।जिससे किसानों को बाज़ार में उनकी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त होता है। यह खाद रसायनों से मुक्त होती है, जिससे भूमि का प्रदूषण रुकता है और उपभोक्ताओं का स्वास्थ्य बेहतर रहता है। पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने किसान भाइयों को पशु प्रबंधन तथा दुग्ध उत्पादन विषय पर भी जानकारी दी,उन्होंने किसानों को खेतों में गोबर की सड़ी हुई खाद प्रयोग पर बल दिया।इस कार्यक्रम में गांव के अमर सिंह, रमेश चंद्र, पुष्पेंद्र कुमार, अमरेश कुमार एवं राम स्वरूप सहित साठ से अधिक किसान उपस्थित रहे।